समन्वयकों/प्रभारियों तथा जून 2019 के सत्रांत परीक्षा केन्द्र के केन्द्र अधीक्षकों की एक दिवसीय बैठक का आयोजन दिनांक 28.05.2019
इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी

संक्षिप्त रिपोर्ट

इंदिरा गॉधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी द्वारा इग्नू अध्ययन केन्द्र के समन्वयकों/प्रभारियों तथा जून 2019 के सत्रांत परीक्षा केन्द्र के केन्द्र अधीक्षकों की एक दिवसीय बैठक का आयोजन दिनांक 28.05.2019 को **"कामधेनु सभागार"** दुग्ध विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान, का0हि0वि0वि0, वाराणसी में सम्पन्न हुआ । पहली जून 2019 से आरंभ होने वाली जून सत्रांत परीक्षा को सुचितापूर्ण सम्पन्न कराने तथा इग्नू मुख्यालय के नये दिशा–निर्देशों से केन्द्राधीक्षकों को अवगत कराने हेतु यह बैठक आयोजित की गई थी ।

कार्यक्रम का प्रारम्भ दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया ।

उद्घाटन सत्र में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी के

क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 अवध नारायण त्रिपाठी ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इग्नू में जुलाई 2019

सत्र में प्रवेश की प्रक्रिया भी आरंभ हो चुकी है । इग्नू में लगभग सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश "ऑन लाइन" हो चुका है । अतः बदले संदर्भ में सभी समन्वयकों/प्रभारियों को प्रवेश हेतु प्रेरित करने व नई तकनीक, "ऑनलाईन एडमिशन" तथा अनुसूचित जाति व जनजाति के छात्र–छात्राओं को प्रवेश में शुल्क मुक्ति आदि से भलीभाँति अवगत कराना भी इस बैठक का उद्देश्य था ।

डॉ0 त्रिपाठी ने बताया कि शिक्षा से वंचित लोगों तक इग्नू द्वारा शिक्षा की पहुँच सुनिश्चित करने में इग्नू अध्ययन केन्द्रों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है । पूर्वांचल, जो अब तक शैक्षणिक व आर्थिक रूप से पिछड़ा माना जाता रहा है, वहाँ शिक्षा दर में वृद्धि करने में हमारी भूमिका और भी बढ़ जाती है । हम दूरस्थ शिक्षा को पूर्वांचल में नई ऊँचाई दें और यह आप सभी के सहयोग के बिना संभव नहीं है ।

डॉ0 संजय कुमार, सहायक क्षेत्रीय निदेशक, ने जून 2019 की सत्रांत परीक्षा हेतु समन्वयकों का मार्गदर्शन करते हुए आगामी सत्रांत परीक्षा में इग्नू द्वारा जारी किए गये दिशा–निर्देशों से अवगत कराया । इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत कुल 17 अध्ययन केन्द्रों पर परीक्षा हो रही है । डॉ0 संजय कुमार ने महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए कहा कि इग्नू की आज जो विशेष पहचान है उसमें उसकी साफ सुथरी व पारदर्शी परीक्षा का महत्वपूर्ण योगदान है । अतः सभी केन्द्राधीक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि वे परीक्षा की सुचिता को हर परिस्थिति में बनाये रखें । यदि किसी भी प्रकार की कठिनाई आये तो वे तत्काल क्षेत्रीय केन्द्र के परीक्षा प्रभारी, क्षेत्रीय निदेशक तथा कुलसचिव, मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को दूरभाष व ईमेल से भी अनिवार्य रूप से अवगत करायें ताकि समय से उसका निदान किया जा सकें । परीक्षा संबंधी विभिन्न प्रपत्रों व दिशा–निर्देशों को डॉ0 संजय कुमार ने विस्तार से समझाया ।

अध्ययन केन्द्रों पर संचालित शैक्षणिक परामर्श कक्षाओं के आयोजन एवं सत्रीय कार्य के मूल्यांकन पर चर्चा करते हुए क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 ए0एन0त्रिपाठी एवं सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ0 संजय कुमार ने सम्बन्धित बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की तथा समन्वयकों को सत्रीय कार्य में ट्यूटर कमेंट, विषय वस्तु एवं मूल्यांकन में सुधार हेतु सुझाव दिया । साथ ही परामर्शी कक्षाओं के दिशा–निर्देशों से अवगत कराते हुए उसके अनुपालन पर बल दिया गया तथा समन्वयकों को आगामी माह की सलाहकार कक्षाओं का शिड्यूल 25 तारीख तक अवश्य भेजने का निर्देश दिया गया ताकि उसे इग्नू की वेबसाइट पर समय से अपलोड किया जा सके ।

डॉ0 श्रवण कुमार पाण्डेय, सहायक क्षेत्रीय निदेशक, इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी ने छात्रों के नामांकन पर चर्चा करते हुए बताया कि अधिकतम नामांकन ही अध्ययन केन्द्रों पर संचालित गतिविधियाँ का आधार होता है । वर्ष 2018–19 सत्र में इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी के अध्ययन केन्द्रों पर कुल 15602 नामांकन किया गया । अधिक नामांकन वाले प्रमुख अध्ययन केन्द्रों में उदय प्रताप कॉलेज (2708), इलाहाबाद डिग्री कॉलेज (2703), दारूल उलूम हबीबिया रिज्बीया, गोपीगंज (48044), कमच्छा कैम्पस, बीएचयू, वाराणसी (27109) प्रमुख केन्द्र थे जबकि लोकप्रिय कार्यक्रमों में बी0ए0, बी0कॉम, एम0कॉम, एम0एस0ओ0, एम0ई0जी0, पी0जी0डी0आर0डी0, डी0एन0एच0ई0 आदि प्रमुख थे । उन्होंने बताया कि जनवरी 2019 में वापस ले ली गई अनुसूचित जाति/जनजाति की निःशुल्क प्रवेश योजना को जुलाई 2019 सत्र हेतु पुनः बहाल कर दिया गया है । नियमतः इग्नू में शुल्क माफी/निःशुल्क आवदेन केवल ऑफ लाइन ही स्वीकार किए जाते हैं । जिन पाठ्यक्रमों में प्रवेश की यह सुविधा दी गई है उसकी सूची भी सभी समन्वयकों को उपलब्ध करा दी गयी । उन्होंने यह सूचना

सभी संभावित अभ्यर्थियों तक पहुँचाकर अध्ययन केन्द्रों पर अधिकतम नामांकन सुनिश्चित करने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी समन्वयकों/प्रभारियों को निभाने का आह्वान किया । वर्ष 2018–19 में क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी की नामांकन पर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए डॉ0 पाण्डेय ने जुलाई 2019 सत्र में नामांकन बढ़ाने हेतु भावी रणनीतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला ।

भोजनावकाश के पश्चात् आगामी सत्र को संबोधित करते हुए डॉ0 यू0एन0त्रिपाठी, सहायक क्षेत्रीय निदेशक ने इग्नू द्वारा शुरू किये गये **"ऑनलाईन एकेडमिक काउन्सलर इम्पैनलमेंट पोर्टल"** पर इच्छुक व योग्य आचार्यो को समन्वयकों द्वारा अधिक से अधिक आवेदन कराने पर जोर देते हुए कहा कि अकादमिक परामर्शी ही अध्ययन केन्द्रों पर संचालित छात्र सहयोगी सेवाओं की रीढ़ होते हैं ।

उन्होंने अध्ययन केन्द्रों पर एकेडमिक काउन्सलर व इनके इम्पैनलमेंट पर भौतिक प्रशिक्षण भी दिया तथा यह सुझाव दिया कि प्रत्येक कोर्स के कम से कम तीन सलाहकारों का अप्रूवल सभी समन्वयक सुनिश्चित करें ताकि विपरीत परिस्थिति में भी शैक्षणिक कार्य प्रभावित न हो सके ।

डॉ0 त्रिपाठी ने छात्रों की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु **"छात्र समस्या निवारण पोर्टल"** के विषय में विस्तार से जानकारी दी एवं छात्रों की समस्याओं के निवारण में प्रो–एक्टिव भूमिका निभाने हेतु समन्वयकों को उचित दिशा–निर्देश दिये । उन्होंने **"I-Gram पोर्टल"** के उपयोग को छात्र समस्या के निवारण हेतु प्रोत्साहित करने का आह्वान किया ।

श्री अवधेश कुमार पाण्डेय, सहायक कुलसचिव ने समन्वयकों एवं प्रभारियों से वित्तीय एवं प्रशासनिक गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की और बताया कि काउसलिंग एवं अन्य सहयोग सेवाओं के आवश्यक वित्तीय अभिलेखों को तैयार करते हुए हमेशा उसके प्रमाण के साथ अनुलेखन करना चाहिए । उन्होंने विभिन्न वित्तीय अनुलेखों का प्रतिभागियों को भौतिक प्रशिक्षण दिया तथा अध्ययन केन्द्रों पर दस्तावेजों के रख–रखाव एवं उन्हें अद्यतन रखने की आवश्यकता पर जोर दिया । इस सत्र में विभिन्न प्रशासनिक मदों में होने वाले व्यय में मितव्ययिता बरतने पर विशेष जोर दिया गया । साथ ही, सभी समन्वयकों से आग्रह किया कि सभी भुगतान ऑनलाइन ट्रांसफर के माध्यम से ही किया जाये ।

फीडबैक सत्र में समन्वयकों ने अपने अपने केन्द्रों पर 2018–19 सत्र में संचालित गतिविधियों पर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत किया ।

कार्यक्रम में डा0 एन0पी0 सिंह, परीक्षा केन्द्र अधीक्षक (2708) ने परीक्षा पुस्तिकाओं को दिल्ली या लखनऊ भेजने के बारे में जानकारी चाही । जबकि डा0 राजे I श्रीवास्तव (2778) ने दिव्यांग को परीक्षा में अतिरिक्त समय देने पर अद्यतन नियमों को जानना चाहा । डा0 एस0पी0 सिंह (2703) ने आधार कार्ड के आधार पर भी यदि इग्नू पहचान पत्र न हो तो परीक्षा में छात्र को अनुमति देने का मुद्दा उठाया ।

डा0 एन0पी0 सिंह (2708) ने बी0एल0आई0एस0 के काउन्सलर द्वारा सर्टीफिकेट प्रोग्राम (CLIS) के एसाइन्मेंट को जॉचने के विशय में पूछा ।

सत्रांत परीक्षा के सत्र में सभी समन्वयकों ने एकमत से सुझाव दिया कि प्रत्येक जिला में कम से कम एक परीक्षा केन्द्र अव य बनाया जाय ताकि छात्र–छात्राओं को अनाव यक परे ाानी नहीं हो, इससे पंजीयन में भी सकारात्मक वृद्वि होगी । डॉ0 एस0पी0सिंह (2703) ने बी0ए0(जी) कार्यक्रम में भूगोल विषयक कोर्स को शामिल करने का सुझाव दिया जिसे अभी बी0एस0सी0 कार्यक्रम के अन्तर्गत ही रखा गया है ।

अन्त में इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र के निदेशक डॉ. ए. एन. त्रिपाठी तथा अन्य अधिकारियों ने समन्वयकों द्वारा उठाये गये विभिन्न बिन्दुओं पर उनकी समस्याओं का निराकरण किया तथा जुलाई 2019 सत्र में इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत लगभग 8000 नामांकन का लक्ष्य निर्धारित किया गया । सभी को अध्ययन केन्द्रों पर अधिकतम पाठ्यक्रम सक्रिय कराने तथा अधिकाधिक पंजीयन कराने की दिशा में स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार योजना बनाने तथा कार्यक्रमों में अधिकतम नामांकन कराने हेतु प्रेरित किया गया, साथ ही उन्हें इग्नू की नीति से अवगत कराते हुए उनको सामाजिक सराकोर से जुड़ने का भी अनुरोध किया गया ।

इग्नू के "उन्नत भारत अभियान" के तहत स्वच्छता, रक्तदान, वृक्षारोपण आदि कार्यक्रमों में भी अपनी सहभागिता दर्ज कराने का अनुरोध किया गया तथा इस निमित्त क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा हर संभव सहयोग का भरोसा दिया गया ।

पिछले सत्र में कम नामांकन वाले केन्द्रों पर कम नामांकन की समीक्षा करते हुए इस सत्र में प्रवेश हेतु विशेष रणनीतियाँ बनाने पर बल दिया गया तथा कम नामांकन वाले प्रमुख जनपदों प्रतापगढ़, देवरिया, आजमगढ़, मऊ, अम्बेडकर नगर, सुल्तानपुर, मिर्जापुर जनपद के अध्ययन केन्द्रों को अधिक से अधिक नामांकन के प्रयास करने की सलाह दी गई, जिससे इन जनपदों में छात्रों के लिए परीक्षा केन्द्र बनाया जा सके और छात्रों की परीक्षा सम्बन्धी असुविधा को हल किया जा सकें ।

उपरोक्त बैठक में हुई व्यापक चर्चा के उपरान्त निम्नलिखित प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास किये गये –

1. अध्ययन सामाग्री यथाशीघ्र सभी पंजीकृत विद्यार्थियों को उपलब्ध कराया जायें ।
2. चूँकि एसाईनमेंट इन्ट्री का कार्य अध्ययन केन्द्र को हस्तांतरित कर दिया गया है अतः अविलम्ब सभी अध्ययन केन्द्रों पर एक कम्प्यूटर व प्रिंटर उपलब्ध कराया जाये ।
3. पुराने अध्ययन केन्द्रों पर इग्नू मुख्यालय द्वारा विगत में उपलब्ध कराये गये फर्नीचर जीर्ण–शीर्ण अवस्था में पहुँच गये है । अतः नये फर्नीचर सभी अध्ययन केन्द्रों पर उपलब्ध कराये जाये ।
4. प्रत्येक जिला में कम से कम एक परीक्षा केनद्र छात्रहित में अवश्य बनाया जाय ताकि छात्रों को परीक्षा हेतु परेशान न होना पड़े ।

कार्यक्रम में इग्नू अध्ययन केन्द्र दुग्ध विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान, बी.एच.यू. (48003पी) के प्रोगाम प्रभारी प्रो0 डी. सी. राय, यू.पी. कॉलेज (2708) के समन्वयक डॉ0 एन.पी. सिंह, इलाहाबाद डिग्री कॉल (2703) के समन्वयक डॉ0 एस0पी0सिंह, बी0आर0डी0 पी0जी0 कॉलेज देवरिया (27119) के समन्वयक डॉ0 श्री निवास सिंह, शिक्षा संकाय, कमच्छा कैम्पस, बीएचयू, वाराणसी (27109) के समन्वयक डॉ. आर. एन. शर्मा, आर्य महिला पीजी कॉलेज (48022) के समन्वयक डॉ. कौशलेन्द्र सिंह, माइक्रोटेक कॉलेज ऑफ मैनेंजमेट एवं टेक्नोलॉजी, मलदहिया (48012) के समन्वयक श्री जय मंगल सिंह, अग्रसेन महिला पीजी कॉलेज (48033) की समन्वयक डॉ. अर्चना श्रीवास्तव, सकलडीहा पीजी कॉलेज (48047) के समन्वयक डॉ. दयानिधि सिंह यादव, शहीद हीरा सिंह पीजी कॉलेज, धानापुर (48057) के समन्वयक डॉ. सुभाष राम, सावित्री बाई फुले पीजी कॉलेज, चकिया (48045) के समन्वयक डॉ मिथिलेश कुमार सिंह, बी0आर0डी0 पी0जी0 कॉलेज, दुद्धी, सोनभद्र (48039) के समन्वयक श्री जयजीत सिंह, दारूल उलूम हबीबिया रिज्बीया, गोपीगंज (48044) के समन्वयक मोहम्मद इम्तियाज, एम0डी0 पी0जी0 कॉलेज प्रतापगढ़ (2737)के समन्वयक डॉ0 मनोज मिश्रा, एस0सी0 कॉलेज बलिया (2716)के समन्वयक डॉ0 शिवेन्दु त्रिपाठी एवं इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी के सभी सदस्यों सहित कुल लगभग 70 लोगों ने भाग लिया ।

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय

INDIRA GANDHI NATIONAL OPEN UNIVERSITY
REGIONAL CENTRE
GANDHI BHAWAN, BHU CAMPUS, VARANASI
Phone no. 0542-2368622 E-mail: rcvaranasi@ignou.ac.in
Website: www.ignourcvns.in

ignou THE PEOPLE'S UNIVERSITY

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय

INDIRA GANDHI NATIONAL OPEN UNIVERSITY
REGIONAL CENTRE
GANDHI BHAWAN, BHU CAMPUS, VARANASI
Phone no. 0542-2368622 E-mail: rcvaranasi@ignou.ac.in
Website: www.ignourcvns.in

ignou THE PEOPLE'S UNIVERSITY

अमर उजाला वाराणसी युवा Youth amarujala.com 6 वाराणसी बुधवार, 29 मई 2019

इग्नू में दाखिले के लिए कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन

अमर उजाला ब्यूरो

वाराणसी। इग्नू में दाखिले के लिए अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। जुलाई माह से प्रवेश की प्रक्रिया शुरू होगी। इसके अलावा सत्रांत परीक्षा केलिए सभी जिले में एक-एक केंद्र बनाए जाएंगे, जिससे कि अभ्यर्थियों को असुविधा न हो। बीएचयू डेयरी विभाग में आयोजित क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयकों की बैठक में नए सत्र में प्रवेश, केंद्रों पर नामांकन बढ़ाने सहित कई अहम फैसले लिए गए।

कामधेनु सभागार में क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अवध नारायण त्रिपाठी की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रवेश परीक्षा सहित कई बिंदुओं पर चर्चा की गई। डॉ. त्रिपाठी ने कहा कि

बीएचयू में हुई बैठक में अध्ययन केंद्रों पर नामांकन बढ़ाने का फैसला

शिक्षा से वंचित लोगों तक शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करना ही इग्नू क्षेत्रीय केंद्रों का उद्देश्य है। सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. संजय कुमार ने कहा कि आगामी सत्रांत परीक्षा 17 अध्ययन केंद्रों पर हो रही है। डॉ. श्रवण पांडेय ने बताया कि जनवरी 2019 में वापस ली गई अनुसूचित जाति, जनजाति की निःशुल्क प्रवेश योजना को जुलाई में नए सत्र से बहाल कर दिया गया है। यह प्रवेश ऑफलाइन होगा। बैठक में डॉ. मनोज मिश्र, डॉ. त्रिवेंदु त्रिपाठी, प्रो.डीसी राय, डॉ.एनपी सिंह, डॉ.एसपी.सिंह आदि मौजूद रहे।

अमर उजाला
वाराणसी CITY वाराणसी | बुधवार | 29 मई 2019 3

इग्नू में दाखिले के लिए कर सकेंगे ऑनलाइन आवेदन

वाराणसी। इग्नू में दाखिले के लिए अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। जुलाई माह से प्रवेश की प्रक्रिया शुरू होगी। इसके अलावा सत्रांत परीक्षा केलिए सभी जिले में एक-एक केंद्र बनाए जाएंगे, जिससे कि अभ्यर्थियों को असुविधा न हो। बी ए च यू डेयरी विभाग में आयोजित क्षेत्रीय केंद्र के समन्वयकों की बैठक में नए सत्र में प्रवेश, केंद्रों पर नामांकन बढ़ाने सहित कई अहम फैसले लिए गए।

जुलाई से शुरू होगी प्रवेश की प्रक्रिया

बीएचयू के डेयरी विभाग सभागार में मंगलवार को इग्नू के क्षेत्रीय कार्यालय के समन्वयकों की बैठक में बोलते डा. एपन त्रिपाठी।

कामधेनु सभागार में क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अवध नारायण त्रिपाठी की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रवेश परीक्षा सहित कई बिंदुओं पर चर्चा की गई। डॉ त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षा से वंचित लोगों तक शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करना ही इग्नू क्षेत्रीय केंद्रों का उद्देश्य है। सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. संजय कुमार ने बताया कि जनवरी 2019 में वापस ली गई अनुसूचित जाति, जनजाति की निःशुल्क प्रवेश योजना को जुलाई में नए सत्र से बहाल कर दिया गया है। यह प्रवेश ऑफलाइन होगा। परीक्षा 17 अध्ययन केंद्रों पर हो रही है। बैठक में डॉ. मनोज मिश्र, डॉ. त्रिवेंदु त्रिपाठी, प्रो.डीसी राय, डॉ.एनपी सिंह, डॉ.एसपी सिंह आदि मौजूद रहे।

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय

INDIRA GANDHI NATIONAL OPEN UNIVERSITY
REGIONAL CENTRE
GANDHI BHAWAN, BHU CAMPUS, VARANASI
Phone no. 0542-2368622 E-mail: rcvaranasi@ignou.ac.in
Website: www.ignourcvns.in

ignou THE PEOPLE'S UNIVERSITY

8 | वाराणसी, 29 मई 2019 दैनिक जागरण

पूर्वांचल में दूरस्थ शिक्षा को दें नया आयाम

इग्नू क्षेत्रीय केंद्र की ओर से कामधेनु सभागार बीएचयू में विभिन्न जिलों के समन्वयकों की बैठक को संबोधित करते डॉ .अवध नारायण त्रिपाठी • जागरण

जागरण संवाददाता, वाराणसी : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के क्षेत्रीय केंद्र की ओर से मंगलवार को बीएचयू के दुग्ध विज्ञान विभाग स्थित कामधेनु सभागार में समन्वयक, प्रभारी व परीक्षा केंद्र अधीक्षकों की बैठक हुई।

अध्यक्षता करते हुए क्षेत्रीय निदेशक डा. अवध नारायण त्रिपाठी ने कहा कि इग्नू के माध्यम से लोगों तक शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करने में केंद्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। पूर्वांचल अब तक शैक्षणिक व आर्थिक रूप से पिछड़ा माना जाता रहा है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। ऐसे में केंद्र की भूमिका बढ़ जाती है। हमें दूरस्थ शिक्षा को पूर्वांचल में नया आयाम देने की जरूरत है। सहायक क्षेत्रीय निदेशक डा. संजय कुमार ने जून 2019 की सत्रांत परीक्षा के लिए समन्वयकों का मार्गदर्शन किया। कहा कि इग्नू क्षेत्रीय केंद्र के अंतर्गत 17 अध्ययन केंद्रों पर परीक्षा हो रही है। सभी केंद्राधीक्षकों को परीक्षा की शुचिता हर परिस्थिति में बनाए रखनी होगी। इग्नू के सहायक क्षेत्रीय निदेशक डा. श्रवण कुमार पांडेय ने कहा कि अधिकतर नामांकन ही अध्ययन केंद्रों पर संचालित गतिविधियों का आधार होता है। कहा कि जनवरी 2019 में वापस ली गई अनुसूचित जाति व जनजाति की निश्शुल्क प्रवेश योजना को जुलाई 2019 सत्र के लिए बहाल कर दिया गया है। बैठक को क्षेत्रीय निदेशक डा. एएन त्रिपाठी, सहायक क्षेत्रीय निदेशक डा. संजय कुमार व सहायक क्षेत्रीय निदेशक डा. यूएन त्रिपाठी ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम प्रभारी प्रो. डीसी राय, डा. एनपी सिंह, डा. एसपी सिंह, डा. राजेंद्र सिंह, डा. श्री निवास सिंह, डा. आलोक कश्यप, डा. आरएन शर्मा, डा. कौशलेंद्र सिंह, जय मंगल सिंह, डा. अर्चना श्रीवास्तव, डा. दयानिधि सिंह यादव आदि थे।

हिन्दुस्तान 04 वाराणसी • बुधवार • 29 मई 2019

एजुकेशन अलर्ट

इग्नू का नया सत्र एक जुलाई से शुरू होगा

वाराणसी। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) का नय सत्र एक जुलाई से आरंभ होगा। इसकी तैयारियों पर चर्चा के लिए मंगलवार को बीएचयू के कृषि विज्ञान संस्थान के दुग्ध विज्ञान केंद्र की सभागार में क्षेत्रीय समन्वयकों की बैठक हुई। अध्यक्षता कर रहे क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अवध नारायण त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षा से वंचित लोगों को शिक्षित होने का इग्नू अवसर प्रदान कर रहा है। बैठक में सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ. संजय कुमार और डा. यूएन त्रिपाठी ने समन्वयकों को सत्रीय कार्य में ट्यूटर कमेंट, विषय वस्तु एवं मूल्यांकन में सुधार संबंधी उपयोगी सुझाव दिए।

INDIRA GANDHI NATIONAL OPEN UNIVERSITY
REGIONAL CENTRE
GANDHI BHAWAN, BHU CAMPUS, VARANASI
Phone no. 0542-2368622 E-mail: rcvaranasi@ignou.ac.in
Website: www.ignourcvns.in

2 दैनिक जागरण, Varanasi, 29 May 2019

iNEXT CITY FOCUS

कोआर्डिनेटर्स को दी गयी एग्जामिनेशन की जानकारी

इग्नू सेंटर्स के कोआर्डिनेटर्स, इंजार्च व एग्जामिनेशन सेंटर इंचार्ज की मीटिंग

varanasi@inext.co.in

VARANASI (28 May): इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी के रीजनल सेंटर की ओर से मंगलवार को दुग्ध विज्ञान विभाग, बीएचयू के कामधेनु सभागार में इग्नू सेंटर्स के कोआर्डिनेटर्स, इंजार्च व एग्जामिनेशन सेंटर इंचार्ज की एक मीटिंग हुई.

परीक्षा की दी जानकारी

इग्नू के रीजनल डायरेक्टर डॉ. अवध नारायण त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षा से वंचित लोगों तक इग्नू के माध्यम से शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करने में केंद्र की भूमिका महत्वपूर्ण है. असिस्टेंट रीजनल डायरेक्टर डॉ. संजय कुमार ने जून 2019 की सत्रांत परीक्षा के लिए कोआर्डिनेटर्स को जानकारी दी. उन्होंने कहा कि इग्नू क्षेत्रीय केंद्र के अंतर्गत 17 अध्ययन केंद्रों पर परीक्षा हो रही है. उन्होंने सभी केंद्र के अधीक्षकों से आह्वान किया कि वे परीक्षा की शुचिता को हर परिस्थिति में बनाए रखें.

नामांकन ही होता है आधार

इग्नू क्षेत्रीय केंद्र वाराणसी के असिस्टेंट रीजनल डायरेक्टर डॉ. श्रवण कुमार पांडेय ने कहा कि अधिकतर नामांकन ही अध्ययन केंद्रों पर संचालित गतिविधियों का आधार होता है. इस अवसर पर प्रो. डीसी राय, डॉ. एनपी सिंह, डॉ. एसपी सिंह, डॉ. राजेंद्र सिंह, डॉ. श्री निवास सिंह, डॉ. आलोक कुमार कश्यप, डॉ. आरएन शर्मा, डॉ. कौशलेंद्र सिंह आदि मौजूद थे.

INDIRA GANDHI NATIONAL OPEN UNIVERSITY
REGIONAL CENTRE
GANDHI BHAWAN, BHU CAMPUS, VARANASI
Phone no. 0542-2368622 E-mail: rcvaranasi@ignou.ac.in
Website: www.ignourcvns.in

the pioneer city 04
WEDNESDAY | MAY 29, 2019

Forthcoming final exam of IGNOU discussed

PIONEER NEWS SERVICE ■ VARANASI

A meeting of coordinators / incharges and examination centre superintendents of various Study Centres of regional centre of Indira Gandhi National Open University (IGNOU) was held at Kamdhenu Hall in Diary Science department, Institute of Agricultural Sciences, Banaras Hindu University (BHU) here on Tuesday in which the participants discussed about the forthcoming final examinations of IGNOU to be commenced from June 1. The purpose of the programme was to inform the details to the study centres and conduct the scheduled examinations to be completed by the end of next month smoothly. After the end of the session, the new academic session will be started from July. During the last session, due to some unavoidable circumstances, some candidates failed to get their books in time and the centre coordinators and incharges were asked to adopt new techniques of online admission process and inform the SC/ST candidates that their admissions are free.

The programme was inaugurated by lighting of the lamp by Prof DC Rai, head of Department of Dairy Science and Food Technology, BHU and the function was presided over by Regional Director of IGNOU Dr Awadh Narayan Tripathi. He welcomed all the participants and threw light on the objectives of the meeting.

Regional Director of IGNOU addressing meeting of study centre coordinators in Varanasi on Tuesday — Pioneer

He said that the role of study centres is important to help those get higher studies that are deprived of the same due to some reasons. He said that Purvanchal (eastern UP) is considered as one of the backward regions in the field of education and economy where now the Prime Minister and Chief Minister are giving their major focus on development. He expressed hope that by popularising distance learning the region may get a new height in this direction.

Assistant Regional Director Dr Sanjay Kumar gave several instructions and guidelines to the coordinators for the final examinations scheduled to be held in June. He said that in this regional centre, the examinations will be conducted at 17 study cenrtes. He said that IGNOU is famous for maintaining its fairness and transparency in its examinations and expressed hope that the examination centre superintendents would maintain the same. He said that if they face any problem they should contact examination incharge, regional director, registrar, evaluation section, IGNOU (New Delhi) etc. in this direction

The function was also addressed by Assistant Regional Director Dr Shravan Kumar Pandey.

He said that the orders of January, 2019 was withdrawn and in the new academic session also the SC/ ST candidates would be given free admission but their admissions would be done only off line and the details of courses in which the same facilities are given would be given to the study centre coordinators. Assistant registrar Awadesh Kumar Pandey apprised the coordinator and in-charges of various administrative and financial activities of the university. Dr UN Tripathi told about the portal to look into the grievances of the students.

INDIRA GANDHI NATIONAL OPEN UNIVERSITY
REGIONAL CENTRE
GANDHI BHAWAN, BHU CAMPUS, VARANASI
Phone no. 0542-2368622 E-mail: rcvaranasi@ignou.ac.in
Website: www.ignourcvns.in

पायनियर
लखनऊ, बुधवार, 29 मई 2019
वाराणसी 3

इग्नू की परीक्षा को लेकर कामधेनु सभागार में हुई बैठक

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केन्द्र, वाराणसी द्वारा इग्नू अध्ययन केन्द्र के समन्वयकों/प्रभारियों तथा जून 2019 के सत्रांत परीक्षा केन्द्र के केन्द्र अधीक्षकों की एक दिवसीय बैठक का आयोजन 28 को कामधेनु सभागार, दुग्ध विज्ञान विभाग, कृषि विज्ञान संस्थान, बीएचयू, वाराणसी में सम्पन्न हुई। पहली जून 2019 से आरंभ होने वाली जून सत्रांत परीक्षा को सुचितापूर्ण सम्पन्न कराने तथा इग्नू मुख्यालय के नए दिशा-निर्देशों से केन्द्राधीक्षकों को अवगत कराने हेतु यह बैठक आयोजित की गई थी। कार्यक्रम का प्रारम्भ दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। उद्घाटन सत्र में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र वाराणसी के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अवध नारायण त्रिपाठी ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया और कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिक्षा से वंचित लोगों तक इग्नू द्वारा शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करने में इग्नू अध्ययन केन्द्रों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। पूर्वांचल अब तक शैक्षणिक व आर्थिक रूप से पिछड़ा माना जाता रहा है, किन्तु आज देश के प्रधानमंत्री व प्रदेश के मुख्यमंत्री भी पूर्वांचल का प्रतिनिधित्व कर रहे है। ऐसे में हमारी भूमिका और भी बढ़ जाती है कि हम दूरस्थ शिक्षा को पूर्वांचल में नई ऊंचाई दें और यह आप सभी के सहयोग के बिना संभव नहीं है।

डॉ. संजय कुमार, सहायक क्षेत्रीय निदेशक, ने जून 2019 की सत्रांत परीक्षा हेतु समन्वयकों का मार्गदर्शन करते हुए आगामी सत्रांत परीक्षा में इग्नू द्वारा जारी किए गये दिशा-निर्देशों से अवगत कराया। इग्नू क्षेत्रीय केन्द्र के अन्तर्गत कुल 17 अध्ययन केन्द्रों पर परीक्षा हो रही है। डॉ. संजय कुमार ने महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा करते हुए कहा कि इग्नू की आज जो विशेष पहचान है उसमें उसकी साफ-सुथरी व पारदर्शी परीक्षा का महत्वपूर्ण योगदान है। अतः सभी केन्द्राधीक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि वे परीक्षा की सुचिता को हर परिस्थिति में बनाये रखें।

रिपोर्ट के साथ अखबार में प्रकाशित खबरें एवं संदर्भित फोटोग्राफ भी संलग्न कर आपके अवलोकनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रस्तुत की जा रही है ।